Batch 2024-25

Syllabus

2nd Semester

Master of Arts (Hindi)

M.A. HINDI

1. Scheme of Programme

(Scheme PG A1: Postgraduate Programmes (Course work only)

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A04	आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	241/HIN/CC204	3	1	-	-	-		4	30	70	-	-	100
CC-A05	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	241/HIN/CC205	3	1	-	-	-		4	30	70	-	-	100
CC-A06	भारतीय काव्यशास्त्र	241/HIN/CC206	3	1		-	-	-	-	4	30	70	-	-	100
Discipline Specific Elective Courses														
DSE-02	"हिंदी भाषा और लोक साहित्य " **और** " हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य"	241/HIN/DS202	2	1		-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Multidisciplinary Course(s)														

MDC-02	गांधी दर्शन एवं हिंदी साहित्य	241/HIN/ MD202	2	1	-	-	-	-	3	25	50	-	-	75
Ability Enhancement Course(s)														
AEC-02	हिंदी भाषा में रचनात्मक अभिव्यक्ति - II	241/HIN/A E202	1	1	-	-	-	-	2	15	35	-	-	50
Skill Enhancement Course(s)														
SEC-01	हिन्दी भाषा का रचनात्मक स्वरूप	241/HIN/S E201	1		1	1		1	**2**	5	20	5	20	50
Total Credits									**22**					

M.A HINDI (1)

241/HIN/CC201

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष(द्वितीय सेमेस्टर)

CCA04-आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30

लिखित : 70

Course ID		Credit
Course Title	आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4

पाठयक्रम उद्देश्य:

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान

आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूप

पाठयक्रम परिणाम:

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ

आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन

पाठ्य विषय

इकाई – क

सच्चिदानन्द हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : असाध्य वीणा, सोन मछली, एक बूँद सहसा उछली

नागार्जुन : चन्दू, मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा है, बाकी बच गया अण्डा, अकाल और उसके बाद, मास्टर, शासन की बन्दूक, आओ रानी हम ढोयेंगे पालकी, तीन दिन तीन रात।

गजानन माधव मुक्तिबोध : अँधेरे में, भूल गलती

रघुवीर सहाय : पढ़िए गीता, किले में औरत, बड़ी हो रही है लकड़ी, रामदास, औरत की चीख, पैदल आदमी, पानी पानी बच्चा बच्चा।

Page No. – 1-21
Verified

इकाई – ख

आलोच्य विषय

अज्ञेय : प्रयोगवादी परम्परा और अज्ञेय, अज्ञेय का काव्य वैशिष्ट्य, अज्ञेय की असाध्य वीणा का प्रतिपाद्य, काव्य भाषा

नागार्जुन : नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य, यथार्थ चेतना और लोक दृष्टि, राजनीतिक दृष्टि, नागार्जुन की काव्य भाषा, काव्य शिल्प

गजानन माधव मुक्तिबोध : मुक्तिबोध का काव्य संसार, मुक्ति बोध की विश्व दृष्टि, सामाजिक चेतना, काव्य शिल्प

रघुवीर सहाय : स्वातन्त्र्योत्तर युग और रघुवीर सहाय की कविता, रघुवीर सहाय का राजनैतिक परिप्रेक्ष्य, रघुवीर सहाय की कविताओं में सामाजिक यथार्थ, काव्य वैशिष्ट्य

सहायक ग्रंथ

1 नागार्जुन का रचना ससार : सम्पा० विजय बहादुर सिंह
2 आलोचना का नागार्जुन विशेषांक
3 सागर से शिखर तक : राम कमल राय (लोकभारती)
4 पूर्वग्रह का अज्ञेय अंक
5 फिलहाल : अशोक वाजपेयी
6 रघुवीर सहाय का कवि कर्म : सुरेश शर्मा
7 रघुवीर सहाय : सम्पादक विष्णुनागर और असद जैदी, आधार प्रकाशन, पंचकूला।
8 अज्ञेय कवि : डॉ० ओम प्रकाश अवस्थी
9 अज्ञेय की रचना ससार : सम्पादक गंगा प्रसाद विमल
10 अज्ञेय की कविता एक मूल्यांकन : डॉ० चन्द्रकांत बांदिवडेकर
11 अज्ञेय कवि और काव्य : डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
12 अज्ञेय : सृजन और संघर्ष
13 अज्ञेय सम्पादक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
14 आज के प्रतिनिधि कवि अज्ञेय : डॉ० विद्या निवास मिश्र
15 नागार्जुन की कविता डॉ० अजय तिवारी
16 नागार्जुन की काव्य यात्रा : रतन कुमार पाण्डेय
17 नागार्जुन की कविता में युगबोध : चन्द्रिका ठाकुर
18 नागार्जुन और उनका रचना संसार : विजय बहादुर सिंह
19 आलोचना नागार्जुन विशेषांक 1981
20 नागार्जुन का काव्य और युग : अंत संबंधों का अनुशीलन – जगन्नाथ पंडित
21 मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया : अशोक चक्रधर
22 मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : नन्द किशोर नवल
23 मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब चंचल चौहान
24 मुक्तिबोध की आत्मकथा : विष्णु चंद शर्मा
25 मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता : डॉ० लल्लन राय मंथन पब्लिकेशन्स, रोहतक।
26 अज्ञेय की काव्य चेतना डॉ० कृष्ण भादुक, साहित्य प्रकाशन, भालीवाड़ा, दिल्ली।

निर्देश –

1 इकाई क में निर्धारित पाठ्य पुस्तकों में से आंतरिक विकल्प के साथ एक–एक अवतरण व्याख्या के लिए पूछा जाएगा। कुल चार अवतरणों में से परीक्षार्थी को किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या के लिए 6 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 18 अंकों का होगा।

2 प्रत्येक पाठ्य पुस्तक के लिए इकाई–ख में निर्धारित आलोच्य विषयों में से कोई छः प्रश्न आन्तरिक विकल्प के साथ पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई तीन प्रश्न करने होंगे। तीनों प्रश्न तीन अलग–अलग पाठ्य पुस्तकों पर आधारित होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3 पूरे पाठ्यक्रम में से कोई आठ लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4 पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा।

२५१|HIN|CC२०२

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष(द्वितीय सेमेस्टर)

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30

लिखित 70

Course ID		Credit
Course Title	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक ज्ञान एवं इतिहास लेखन।
- प्रमुख इतिहास ग्रंथ और विभिन्न युगों का विशिष्ट ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

- इतिहास लेखन और इतिहास की समझ विकसित होगी ।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

पाठ्यक्रम:

इकाई -1

- आधुनिक हिंदी साहित्येतिहास परिवेश, राजनीतिक ,सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक एवं साहित्यिक,1857 ई की क्रांति और पुनर्जागरण ।
- भारतेंदु युग : प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं,
- द्विवेदी युग: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- छायावादी काव्य: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं

इकाई -2 उत्तर छायावादी काव्य: प्रतिनिधि रचनाकार एवं प्रवृत्तियां

- प्रगतिवाद: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- प्रयोगवाद प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- नई कविता प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं
- नवगीत: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवर्तिगत विशेषताएं
- समकालीन कविता: प्रमुख रचनाकार एवं प्रवृत्तिगत विशेषताएं

इकाई -3 - हिंदी गद्य विधाओं का उदभव और विकास –

कहानी ,नाटक ,संस्मरण, जीवनी ,उपन्यास, निबंध, आत्मकथा

इकाई-4 हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाले प्रमुख संस्थाएं - नागरी प्रचारिणी सभा (वाराणसी),हिंदी साहित्य सम्मेलन(प्रयाग),बिहार राष्ट्रभाषा परिषद(पटना), दक्षिण भारत प्रचार समिति (चेन्नई), केंद्रीय हिंदी संस्थान (आगरा),केंद्रीय सचिवालय हिंदी परिषद(दिल्ली), वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग नई दिल्ली)

- **हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाले की प्रमुख पत्रिकाएं**- कवि वचन सुधा ,हिंदी प्रदीप, आनंद कदंबिनी, ब्राह्मण, सरस्वती, प्रताप, मर्यादा ,सुधा ,माधुरी ,मतवाला ,विशाल भारत, चांद ,हंस , धर्म युग ।
- **हिंदी के प्रचार में योगदान देने वाले प्रमुख आंदोलन**- ब्रजभाषा , खड़ी बोली आन्दोलन ,छायावादी आन्दोलन और छायावादोतर आन्दोलन , नयी कविता आन्दोलन, नयी कहानी आन्दोलन।

संदर्भित पुस्तकें

- हिंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,काशी।
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ रामकुमार वर्मा, राम नारायण लाल, बेनी प्रसाद ,इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य की भूमिका, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ,राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी अंतर चंद्र कपूर एंड संस ,दिल्ली
- हिंदी साहित्य का इतिहास, संपादक,डॉ नगेंद्र ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली।
- हिंदी का गद्य साहित्य डॉक्टर रामचंद्र तिवारी , नवदीप प्रकाशन ,वाराणसी।
- मध्यकालीन काव्य साधना,डॉक्टर रामचंद्र तिवारी, नवदीप प्रकाशन ,अयोध्या, फैजाबाद।
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, डॉक्टर बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन ,दिल्ली।

निर्देश:

- निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार प्रश्न करने होंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा ।
- पूरे पाठ्यक्रम में कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे ,जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्ही 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा ,प्रत्येक प्रश्न चार अंको का होगा, पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
- पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

241/HIN/CC203

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष(द्वितीय सेमेस्टर)

CCA06-भारतीय काव्यशास्त्र

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30

लिखित : 70

Course ID		Credit
Course Title	भारतीय काव्यशास्त्र	4

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

- भारतीय काव्यशास्त्र की सामाजिक विकसित होगी
- कृतियों के विश्लेषण हेतु भारतीय चिंतन का पक्ष स्पष्ट होगा

पाठ्यक्रम परिणाम:

- भारतीय काव्यशास्त्र की जानकारी अतीत और वर्तमान की कृतियों के बीच आलोचनात्मक संबंध निर्माण करती है
- भारतीय चिंतन परंपरा की समझ विकसित होगी

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 .काव्य स्वरूप और प्रकार

- काव्य : अर्थ , परिभाषा ,काव्य लक्षण, काव्य के तत्व, काव्य सृजन की प्रक्रिया ,काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन
- काव्य भेद :महाकाव्य ,खंडकाव्य, गीतिकाव्य ,चंपू काव्य

इकाई 2:रस सिद्धांत

- रस परिभाषा और स्वरूप , रस निष्पत्ति , साधारणीकरण
- सहृदय की अवधारणा

इकाई 3:

Dijd

- **अलंकार सिद्धांत** :स्वरूप तथा स्थापना ,अलंकार के भेद- उपभेद
- **रीति सिद्धांत:** स्वरूप तथा स्थापनाएं , रीति के भेद -उपभेद
- **ध्वनि सिद्धांत:** स्वरूप तथा स्थापनाएं, ध्वनि के भेद- उपभेद , गुणिभूत व्यंग्य ,चित्र काव्य
- **वक्रोक्ति सिद्धांत**:स्वरूप तथा स्थापना, एवं वक्रोक्ति के भेद - उपभेद
- **औचित्य सिद्धांत** :स्वरूप तथा स्थापनाएं

इकाई 4: हिंदी के प्रमुख आलोचक तथा उनकी आलोचना दृष्टि :आचार्य रामचंद्र शुक्ल , आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी , डॉ. रामविलास शर्मा , डॉ. नगेंद्र

निर्देश :

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ दो प्रश्न पूछते हुए कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे । परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों में से किसी एक प्रश्न का चयन करके कुल चार कर प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे पूरा प्रश्न 40 अंकों का होगा ।

2 . पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 10 लघु उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न चार अंक का होगा पूरा प्रश्न 24 अंको का होगा।

3 .पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

संदर्भित पुस्तक:

1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी

2. हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास भगीरथ मिश्र , लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

3. भारतीय काव्यशास्त्र- योगेंद्र प्रताप सिंह, लोक भारती प्रकाशन , इलाहाबाद

4. भारतीय काव्यशास्त्र -सत्यदेव चौधरी , अलंकर प्रकाशन, नई दिल्ली

5. काव्य के रूप - गुलाब राय प्रतिभा प्रकाशन मंदिर , दिल्ली

6. साहित्य लोचन - श्यामसुंदर दास , इंडियन प्रेस, प्रयाग

7.हिंदी आलोचना - उद्भव और विकास- भगवत स्वरूप मिश्र, साहित्य सदन , देहरादून

8.आलोचक और आलोचना- बच्चन सिंह , विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली

9.प्रगतिशील हिंदी आलोचना की रचना प्रक्रिया- हौसिला प्रसाद सिंह , विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी

Rijal

(8)

241/HIN/DS204

एम.ए. हिंदी

प्रथम वर्ष (सेमेस्टर- द्वितीय)

DSE02-हिंदी भाषा और लोक साहित्य

पूर्णांक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: 25

लिखित: 50

Course ID		Credit
Course Title	हिंदी भाषा और लोक साहित्य	3

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. विद्यार्थियों को लौकिक साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन करना।

2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना।

3. हिंदी भाषा और लौकिक साहित्य की शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम

1. हिंदी लौकिक साहित्य की समग्र परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।

2. विविध प्रादेशिक लौकिक साहित्य के रूपों की जानकारी प्राप्त होगी।

3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध साहित्य के स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई एक: हिंदी भाषा का विकास

- ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- प्राचीन भारतीय आर्य भाषा : वैदिक व लौकिक संस्कृत

- मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषा: पाली, प्राकृत व अपभ्रंश

- आधुनिक भारतीय आर्य भाषा और उसका वर्गीकरण

इकाई दो: हिंदी भाषा के विविध रूप

- राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में

- हिंदी माध्यम भाषा, संचार भाषा

- हिंदी का आधुनिक विकास और संवैधानिक स्थिति

- हिंदी का वैश्विक रूप

इकाई तीन: हिंदी के लौकिक साहित्य का स्वरूप

- सर्वेक्षण और संकलन

- लौकिक साहित्य का स्वरूप

- भारत में लोक साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

- लोक साहित्य में अभिव्यक्ति और अनुभूति का दर्शन

इकाई चार: हिंदी लोक संस्कृति क्षेत्र और लोक शैलियां –

लोकगीत,देवी गीत,संस्कार गीत, ऋतु गीत,संगीत,लोक गाथा, लोक आख्यान

पंडवानी,रामलीला,नौटकी, सांग ,विदेशिया

निर्देश:

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

संदर्भ:

1. भारतीय आर्य भाषा और हिंदी - सुनीति कुमार चटर्जी, राजकमल प्रकाशन

2. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेंद्र वर्मा, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयाग

Dijd

3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास - उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार

4. भाषा विज्ञान रसायन - कैलाश नाथ पांडे

5. हिंदी भाषा का इतिहास - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

241/HIN/DS205

एम.ए. हिंदी

सेमेस्टर- द्वितीय

DSE- 02- हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य

पूर्णांक : 75

आन्तरिक मूल्यांकन : 25

लिखित : 50

Course ID		Credit
Course Title	हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य	3

इकाई 1 :

- विश्व साहित्य की अवधारणा , विश्व साहित्य का इतिहास
- विश्व साहित्य के अध्ययन की समस्याएं , विश्व साहित्य में हिंदी साहित्य की अवधारणा एवं प्रासंगिकता

इकाई 2 : हिंदी में अनूदित विश्व साहित्य की परंपरा

- **भारतेंदु - दुर्लभ बंधु**
- **शुक्ल- कल्पना का आनंद**

इकाई 3 :

- **चेखव की कहानियां :** पीपुल्स पब्लिकेशन हाउस
- **न्यायप्रिय :** अल्मेयर कामू

पुस्तकें-

- भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक : शुक्ल, रजनीश कुमार, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतबोध का नया समय : द्विवेदी, संजय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली

➢ संतों के संवाद, उदय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत नई दिल्ली

➢ भक्ति का संदर्भ : देवी शंकर अवस्थ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

➢ सात भारतीय संत- जीवन दर्शन और संदेश, डॉ. बलदेव वंशी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत नई दिल्ली

➢ रामचरितमानस, तुलसीदास, गीताप्रेस गौरखपुर

➢ निर्गुण संतों के स्वप्न, डेविड एन. लॉरेंजन, अनुवाद धीरेन्द्र बहादुर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

निर्देश

1. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जाएगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की संख्या चार होगी जिसमें से परीक्षार्थी को कुल दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न कुल 20 अंकों का होगा।
2. पूरे पाठ्यक्रम में से कुल दस लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 200 शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।
3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।